तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 31.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, गुरुवार, 13 जून 2024

11 दूषित पानी की निकासी न होने से लोग परेशान प्रशासन बेखबर

12 10 दिनों में सभी ड्रेन की सफाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर खरीद मामले में डीलर से की धोखाधड़ी

गोहाना। थाना गोहाना में तीन लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। सेक्टर सात के संजय दूहन ने बताया कि उसके पास महिंद्रा ट्रैक्टर की डीलरशिप है। 28 अप्रैल को जींद के डिवडवाड़ा का अशोक उनके पास पुराना ट्रैक्टर खरीदने के लिए आया था। उनके साथ अनिल व सुनील भी आए थे। उन्होंने 4.75 लाख रुपये का फाइनेंस करवाया गया। अशोक ने 10500 रुपये नगद दिए और गारंटी के लिए सात मई को 4.64 लाख रुपये का चेक दिया। जब चेक को बैंक में लगाया तो वह बाउंस हो गया।

कन्या महाविद्यालय का चुनाव 11 अगस्त को

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय की प्रबंधन समिति-शिक्षा समिति की कार्यकारिणी का चुनाव 11 अगस्त को होना निश्चित हुआ है। शिक्षा समिति के निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट कमल शर्मा ने चुनावी अधिसूचना जारी की है। प्रधान, उप प्रधान महासचिव व कोषाध्यक्ष तथा 11 सदस्य कार्यकारिणी के चुनाव के लिए 6 से 10 जुलाई तक नामांकन पत्र भरे जाएंगे।

युवक को पीटकर किया घायल, केस दर्ज

खरखौदा। छिनौली निवासी बिजेंद्र ने बताया कि वह मटिंडू मार्ग पर एक कंपनी में चालक है। जब वह साथियों के साथ कंपनी के बाहर बैठा था, तो उसके गांव के दो युवक अपनी कार में वहां पर पहुंचे। जिन्होंने आते ही उसके साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

सरल केंद्र में बन रही समस्या, आधार कार्ड अपडेट करवाने पहुंचे सैकड़ों लोग

टोकन को लेकर भटकते रहे लोग सीटीएम ने किया औचक निरीक्षण

- आधार कार्ड अपडेट करवाने के लिए एक और सेटअप लगाया जाएगा सरल केंद्र पर
- सर्वर की धीमी गति के चलते लोगों को अपने काम के लिए घंटों तक करना पड़ रहा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लघु सचिवालय स्थित सरल केंद्र में टोकन की धीमी रफ्तार को लेकर बुधवार को भी लोग परेशान रहे। इसके कारण सरल केंद्र में लोगों की भारी भीड़ बनी रही। सबसे अधिक भीड़ तो उन लोगों की थी, जोकि आधार कार्ड को अपडेट करवाने के लिये आए थे। लोगों की भीड़ और परेशानी की सूचना जब सीटीएम पूजा कुमारी को मिली तो उन्होंने सरल केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिये एक और कर्मचारी की ड्यूटी लगाने के अलावा आधार कार्ड अपडेटेशन के लिये एक और सेटअप लगाने के निर्देश दिए। जानकारी अनुसार सरल केंद्र में कुछ दिनों से काफी अधिक संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। जिसके कारण केंद्र पर काफी भीड़ हो जाती है, वहीं सर्वर की धीमी गति के चलते लोगों को अपने काम के लिये घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसी ही परेशानी बुधवार को भी जारी रही। इसके पीछे की बड़ी वजह आधार कार्ड अपडेटेशन को बताया गया है। सरल केंद्र पर काफी अधिक संख्या में लोग आधार कार्ड अपडेट करवाने के लिये पहुंच रहे हैं।

सोनीपत। सरल केंद्र का निरीक्षण करते हुए सीटीएम पूजा कुमारी। **फोटो : हरिभूमि**

> **भीड़ नियंत्रित करने के लिए एक और कर्मचारी लगेगा**
> सरल केंद्र पर टोकन से संबंधित परेशानी की सूचना मिलने के बाद केंद्र का औचक निरीक्षण किया था। लोगों को नियंत्रित रखने के लिये एक और कर्मचारी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। आधार कार्ड अपडेट करवाने आ रहे लोगों की संख्या अधिक है, ऐसे में आधार कार्ड का एक और सैटअप लगाया जाएगा।
> **पूजा कुमारी**, सीटीएम, सोनीपत।

अभी ये चल रही व्यवस्था

सरल केंद्र पर मसलन लाइसेंस, आरसी, फर्द, आधार कार्ड आदि कामों को लेकर आए लोगों को एक ही सीरिज में टोकन दिए जाते हैं और सभी लोगों को एक ही वेटिंग रूम में बिठाया जाता है। ऐसे में अलग-अलग कामों के लिये आए लोगों को अलग समय पर आवाज लगाकर बुलाया जा रहा है।

बुधवार को लोगों की परेशानी की सूचना सीटीएम पूजा कुमारी को दी गई। इस पर सीटीएम ने दोपहर बाद सरल केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टोकन काटने से लेकर आधार कार्ड केंद्र तक सभी जगहों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सीटीएम ने लोगों की भीड़ को गेट से अलग रखने के लिये बैठने वाले स्थान को ब्लॉक में बांटने के निर्देश देते हुए गेट पर दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आधार कार्ड को लेकर एक और सैटअप लगाने के निर्देश दिए। बता दें कि बुधवार को दोपहर 2.30 बजे तक कुल 350 टोकन दिए जा चुके थे, इसमें से 200 टोकन सर्वर के जरिये तो 150 टोकन पर्ची पर लिखकर जारी किए गए थे।

टोकन ही बन रहे बड़ी समस्या

सरल केंद्र में सबसे अधिक समस्या टोकन नंबर को लेकर आ रही है। क्योंकि अलग-अलग काम के लिये आए लोगों एक ही सीरिज में टोकन नंबर दिया जाता है। एक दो खिड़की को छोड़कर अन्य पर ज्यादा भीड़. नहीं होती। ऐसे में कम भीड़ वाली खिड़की पर काम करवाने वाले व्यक्ति को टोकन नंबर बेशक से काफी बड़ा हो, लेकिन उसे पहले बुलावा आ जाता है। इसी वजह से आसपास के लोग आरोप लगाते हैं कि यह व्यक्ति तो अभी आया था और अभी इसका नंबर भी आ गया। ऐसे में जब टोकन नंबर डिस्प्ले बोर्ड पर दिखाए जाते हैं तो लोग कर्मचारियों के साथ झगड़ा करना शुरू कर देते हैं, इस वजह से टोकन नंबर डिस्प्ले बोर्ड पर दिखाना बंद कर दिया गया है। जिसकी वजह से लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बनी रहती है।

कल यूपीएस डाउन, आज 200 टोकन के बाद आ गया एरर

सरल केंद्र पर तकनीकी खराबी मंगलवार के बाद बुधवार को भी जारी रही। मंगलवार को जहां शाम के समय यूपीएस डाउन हो गया था, जिसके चलते जिन लोगों को टोकन दिए गए थे, उनके काम नहीं हो पाए। वहीं बुधवार को 200 टोकन के बाद सर्वर पर एरर आ गया है, जिसकी वजह से और अधिक टोकन नहीं निकल पाए। इसके बाद लोगों को पर्ची पर टोकन नंबर लिखकर दिया गया। कई लोग ऐसे भी रहे, जिनका टोकन मंगलवार को कट गया था, लेकिन बुधवार को फिर से टोकन काटा गया। इस तरह के लोगों ने सरल केंद्र की व्यवस्था को लेकर असंतोष जाहिर किया।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

पुलिस ने चिता से निकाले मृतका के शव के अवशेष

- विसरा रिपोर्ट में होगा मौत के सही कारणों का खुलासा

सोनीपत। गांव रोलद में संदिग्ध हालत में महिला की मौत हो गई। परिजनों ने महिला के शव का दाह संस्कार कर दिया। अज्ञात सूचना के बाद गांव में पहुंची मोहाना थाना व एफएसएल की टीमों ने चिता से शव के अवशेषों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया। अस्पताल में फोरेंसिक चिकित्सक के न होने के चलते महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेफर कर दिया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने विसरा सैंपल जांच के लिए भेजा है। विसरा में महिला की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। बनारस हाल में रोलद निवासी रागनी ने बताया कि उसकी बहन प्रिया (30) की शादी करीब 8 वर्ष पहले रोलद निवासी राजेंद्र के साथ हुई थी। देर शाम उसकी बहन बदहोश में घर पर लेटी हुई मिली। उन्हें लगा कि उसे अटैक आ गया है। जिसके चलते उसकी मौत हो गई है। परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। वहीं अज्ञात सूचना के बाद मोहाना थाना पुलिस श्मशान घाट में पहुंची। जहां चिता से शव के अवशेषों को बाहर निकाला। थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि महिला की संदिग्ध हालत में मौत होने की सूचना मिली थी। शव को चिंता से निकालकर पोस्टमार्टम करवाया गया है। विसरा सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए है। पोस्टमार्टम विसरा रिपोर्ट में मौत के सही कारणों का पता चला सकेगा।

तृतीय पुण्यतिथि

स्व. श्री रघवीर सिंह सहरावत
(10.01.1941 to 13.06.2021)

श्री रघबीर सिंह सहरावत जी आज ही के दिन सांसारिक यात्रा पूरी करके प्रभु के चरणों में विलीन हो गये थे। आपका बिछोह हम सब के लिए असहनीय व पीड़ादायक है। आपकी मधुर स्मृति ही अब हमारी धरोहर है।

श्रद्धावनत् एवं निवेदनकर्ता
श्रीमती मूर्ति देवी (धर्मपत्नी)
डॉ. अनिल सहरावत (पुत्र) (उप कृषि निदेशक)
अरुण सहरावत (पुत्र)
शक्ति सहरावत (पुत्र)
निवास: 695/27 वेस्ट रामनगर सोनीपत

फैक्ट्रियों से टीन शेड हटाने के आदेश

- फैक्ट्रियों में लगी आग के मामले में एसडीएम ने लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 660, 639 व 247 नंबर फैक्ट्रियों में लगी आग के मामले में एसडीएम ने संज्ञान लिया है। एसडीएम डा. निर्मल नागर ने फैक्ट्रियों का निरीक्षण कर फैक्ट्रियों के बिल्डिंग प्लान के हिसाब से न मिलने पर टीन शैड से कवर्ड मिलने के बाद बड़ी औद्योगिक क्षेत्र के अधिकारियों की कार्यालय में बैठक ली और अधिकारियों को सबसे पहले आगजनी वाली फैक्ट्रियों में पूरी तरह से कवर्ड टीन शैड को हटाने के सख्त आदेश दिए। इसके बाद एसडीएम ने अधिकारियों को कहा कि इसके बाद वे सभी फैक्ट्रियों में अभियान चलाए और बिल्डिंग प्लान के हिसाब से नही पाए जाने व टीन शैड लगाने वालों के शैड हटवाएं ताकि आगजनी की घटना होने पर जान-माल का नुकसान न हो। ज्ञात रहे कि निरीक्षण के दौरान पाया कि 639 नंबर आयुर्वेदिक दवा की फैक्ट्री का निर्माण नियमानुसार नहीं किया गया था। फैक्ट्री का पिछला हिस्सा पूरी तरह से कवर कर रखा है। ऐसे में आगजनी की घटना होने पर काफी नुकसान हुआ। गत रविवार की रात 660 नंबर रबड़ फैक्ट्री में आग लग गई थी। इसके बाद आग ने पीछे लगती 639 नंबर आयुर्वेदिक दवा फैक्ट्री को भी चपेट में ले लिया था। दमकल की गाड़ियों ने तीनों कंपनी में लगी आग को काबू पाया था।

गन्नौर। पेपकोट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 247 नंबर व उसके आसपास की फैक्ट्री टीन शेड से कवर हुई।

> **औद्योगिक क्षेत्र में कोताही बर्दाश्त नहीं : एसडीएम**
> बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में आगजनी के बढ़ते मामलों को देखते हुए एसडीएम डा. निर्मल नागर ने अधिकारियों को कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में आग के बढ़ते मामलों को देख खुद उद्योगपतियों को अपनी व कर्मचारियों व नुकसान के दृष्टिगत नियमों की पालना करना चाहिए ताकि आगजनी व अन्य घटना हो जाए तो उस पर काबू पाया जा सके।

पेपकोट फैक्ट्री दोनों ओर टीन शेड कवर्ड को हटाए

एसडीएम ने एचएसआईआईडीसी के सम्पदा अधिकारी विनोद कत्याल व एक्सईन जसबीर देशवाल व अन्य को आदेश दिए कि निरीक्षण में मिला कि 247 नंबर पेपकोट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री टीन शैड लगाकर पूरी तरह से बंद की गई है। जब कि यह नियमों की अवहेलना है। ऐसे में अगर बड़ी आगजनी की घटना हो जाती है तो कंपनी के अन्दर कोई भी दमकल कर्मी अन्दर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा और आग लगने का खामियाजा आसपास की कंपनी को भी भुगतना पड़ेगा।

गली में सो रहे युवक को किया घायल

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के गांव भैरा बांकीपुर में गली में सो रहे युवक की गर्दन पर देर रात हमलावर ने नुकीले हथियार से हमला कर दिया। घायल हमलावर का चेहरा नहीं देख सका। हालांकि उसने गांव के युवक पर शक जताया है। उसके साथ घायल का तीन माह पहले झगड़ा हुआ था। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव भैरा बांकीपुर निवासी अंकित ने पुलिस को बताया कि वह रात को घर के बाहर गली में सो रहे थे। देर रात अचानक उनकी गर्दन में दर्द हुआ। वह उठे तो देखा एक युवक गली से भागकर जा रहा था। उसने देखा कि युवक ने उनकी गर्दन पर किसी नुकीले हथियार से हमला किया है। परिजन उसे लेकर अस्पताल में पहुंचे। अंकित का आरोप है कि तीन महीने पहले उसका गांव के युवक के साथ झगड़ा हुआ था। उसे शक है कि उसी रंजिश में उस पर नुकीले हथियार से हमला किया गया है। जांच अधिकारी एचसी धर्मबीर सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित के खिलाफ आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

भारतीय पुनर्वास परिषद् (RCI) नई दिल्ली
द्वारा मान्यता प्राप्त
COLLGE CODE : HR041
सरकारी शिक्षक व विशेष शिक्षक बनने का सुनहरा अवसर
D.Ed Spl. Ed. (IDD/HI)
(द्वि-वर्षीय पाठ्यक्रम)
JBT/BTC/BSTC के समकक्ष
केवल RCI द्वारा निर्धारित फीस
योग्यता :
10+2 50 प्रतिशत अंकों के साथ (General)
एवं 45 प्रतिशत अंकों के साथ SC/ST/PH
DIRECT Admission OPEN
Last Date : 14 June 24
ग्रीन वैली
पटेल नगर, निकट शिव मन्दिर वाली गली, सोनीपत
CONTACT : 9813342781

सेप्टिक टैंक में सफाई करते समय गई दो की जान

भविष्य का सपना लेकर आए थे दोनों भाई

- संजय छोड़ गए दो बेटे तो अंकुश की पत्नी है गर्भवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उत्तर प्रदेश के जिला फिरोजाबाद से एक माह पहले गांव गडौरा से दो भाई संजय और अंकुश अपने परिवार के साथ भविष्य के नए सपने बुनने के लिए कुंडली आए थे। यहां पर उन्होंने प्याऊ मनियारी में नया आसियाना बसाया था और मेहनत मजदूरी करते थे। परिवार खुशी से चलाने लगे थे कि एक हादसे ने पूरा परिवार ही उजाड़ दिया। दोनों सगे भाई हादसे में परिवार से सदा के लिए बिछूड़ गए। परिवार के सदस्यों का रोकर बुरा हाल था।

गांव गडौरा निवासी सुनील ने बताया कि वह तीन भाई थे। वह सबसे बड़े और उनके बाद संजय और अंकुश थे। माता-पिता के देहांत के बाद तीनों भाई अपने परिवारों का पालन-पोषण मेहनत से कर रहे थे। एक माह पहले संजय और अंकुश अच्छे भविष्य के लिए हरियाणा के सोनीपत आ गए थे। संजय के साथ उनकी पत्नी सरता, बेटा आदित्य (6) व अनुराग (2) थे तो अंकुश के साथ उनकी गर्भवती पत्नी अंजली थी। अचानक एक हादसे ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। सेप्टिक टैंक में सफाई को गए संजय व अंकुश सदा के लिए उनसे अलग हो गए।

सोनीपत। मृतकों के फाइल फोटो।

संजय की पत्नी को भविष्य की चिंता

हादसे में जान गंवाने संजय की पत्नी सरता की आंखों से अश्रुधारा रुकने का नाम नहीं ले रही थी। परिवार के सदस्य व अन्य रिश्तेदार उन्हें ढांढ़स बंधाने में लगे थे। उसके बावजूद वह लगातार रो रही थी। बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता जता रही थी। हादसे में जान गंवाने वाले अंकुश की पत्नी अंजली चार माह की गर्भवती है। उनके पास अभी कोई बच्चा नहीं है। उनकी जुबान से यही निकला कि पति औलाद का चेहरा भी नहीं देख सके। बच्चे को लेकर उनके पति ने कई सपने सजोए थे। उसके जन्म से पहले ही वह सदा के लिए उन्हें छोड़ गए।

फिटनेस फंडा / यश पंडित

मेरी हेल्थ-फिटनेस का सीक्रेट न्यूट्रिशस डाइट-वॉकिंग-अच्छी नींद

कई फिल्मों और हिट टीवी शोज में नजर आ चुके, यश पंडित हाल में ही सोनी सब टीवी के शो 'आंगन अपनो का' में राकेश की भूमिका में दिखे थे। यहां **हरिभूमि** से अपना फिटनेस फंडा शेयर कर रहे हैं यश पंडित।

हम सभी को अपनी हेल्थ का बहुत ख्याल रखना चाहिए। कहते भी हैं-हेल्थ इज़ वेल्थ। मैं अपने फैंस से यही कहूंगा कि हेल्थ-फिटनेस को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

मेरा फिटनेस सीक्रेट

न्यूट्रिशस डाइट, तेज गति से वॉक, खूब पानी पीना और अच्छी नींद लेना। ये चार मेरे फिटनेस सीक्रेट्स हैं। इन चारों को मैं अपनी दिनचर्या में शामिल करता हूं। आप भी इन्हें शामिल करें फिर देखें आपकी हेल्थ कितनी बढ़िया हो जाएगी।

हल्की एक्सरसाइज

कोरोना के बाद चूंकि अधिकांश लोगों की इम्यूनिटी पर नेगेटिव असर पड़ा है इसलिए अब वह स्थिति नहीं रही, जब आप तीन-चार घंटे लगातार जिम में जाकर बहुत टफ वर्कआउट करें। आज के समय में हल्का वर्कआउट ही बेहतर है। अब आप शरीर को जरूरत से ज्यादा थकाते हैं तो वह झेल नहीं पाता है। ऐसी खबरें हम अकसर पढ़ते हैं या अपने आस-पास देखते हैं कि कोई जिम में एक्सरसाइज करते हुए गिर गया तो कोई डांस करते हुए। इसलिए शारीरिक क्षमता के अनुसार हल्की एक्सरसाइज ही करना सही है।

डाइट का रखें ख्याल

हल्की एक्सरसाइज के साथ-साथ अपनी डाइट का पूरा ख्याल हमें रखना चाहिए। न्यूट्रिशस डाइट लें। मैं भी रेग्युलर डाइट में प्रोटीन के अलावा सब्जियों, दालों, फलों को जरूर शामिल करता हूं। ध्यान रहे आपको डेली हैवी ब्रेकफास्ट, न्यूट्रिशस लंच और डिनर लेना है। डाइट का बैलेंस होना जरूरी है।

डिनर लेने में ना करें देरी

आजकल बहुत सारे लोग लेट नाइट डिनर करते हैं, जो सही नहीं है। हालांकि हेल्थ कॉन्शस लोग शाम सात बजे तक अपना डिनर ले लेते हैं। यह बहुत अच्छी आदत है। इससे खाने को पचने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है और सुबह आप बहुत अच्छा फील करते हैं। जहां तक संभव होता है मैं भी डिनर जल्द ही कर लेता हूं। हालांकि जब शूटिंग चल रही होती है तब हम लोगों के लिए समय से लंच, डिनर करना और बैलेंस डाइट ले पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन जितना बेस्ट मैं कर सकता हूं, उस स्थिति में करने की कोशिश करता हूं। एक अच्छी बैलेंस डाइट लेने की पूरी कोशिश करता हूं।

हमेशा खुश रहता हूं

मैं हमेशा खुश रहता हूं। मेरा मानना है कि फिट रहने के लिए जिंदगी में यह भी बहुत जरूरी है कि आप हर स्थिति में खुश रहें, मस्त रहें और अपने काम में व्यस्त रहें।

अच्छी नींद जरूरी

फिट रहने के लिए खूब काम करना और उसके बाद रात को अच्छी गहरी नींद लेना बहुत जरूरी है। अच्छी नींद, अच्छी हेल्थ के लिए बहुत जरूरी होती है। इसलिए कितने ही व्यस्त रहें लेकिन नींद से समझौता न करें।

पानी खूब पीता हूं

मैं खूब पानी पीता हूं। आपसे भी कहूंगा दिन भर में जितना हो सके पानी पीजिए। नारियल पानी, नीबू पानी, लस्सी, छाछ, दूध, फ्रूट जूस को भी शामिल करें। यानी, खूब लिक्विड अपनी बॉडी को दें।

वॉकिंग है जरूरी

रोज कुछ समय वॉक पर जाएं। कोशिश करें कि जितना पैदल चल सकें चलें। सुबह की सैर या ईवनिंग वॉक जो कर सकते हैं करें। पैदल चलना बहुत अच्छा व्यायाम है, इसे अपनी रुटीन में शामिल करें। अगर हर इंसान 24 घंटे में से आधा घंटा भी तेज पैदल चले तो वह फिट रह सकता है। *

प्रस्तुति:रेणु खंतवाल

किसी रोग से ग्रस्त होने के बावजूद, अगर आप अच्छा-पॉजिटिव सोचेंगे तो न केवल अच्छा महसूस करेंगे, बल्कि इससे आपके स्वास्थ्य में भी तेजी से सुधार होगा। इसके विपरीत नेगेटिव विचारों, चिंता या भय से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे अपना बचाव करें, आपको जरूर जानना चाहिए।

हेल्थ एडवाइस/ विनीता

पॉजिटिव सोचें-हेल्दी रहें

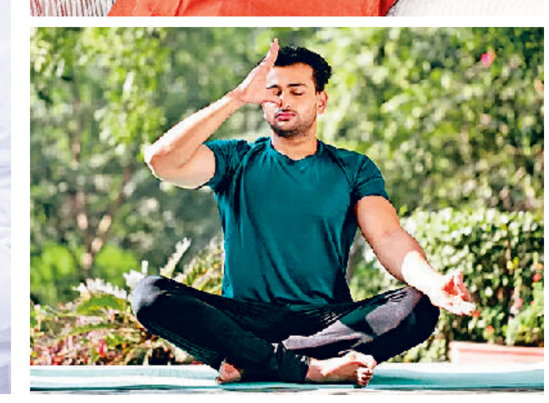

आपने इस बात पर गौर किया होगा कि जब भी घर में कोई बीमार होता है, तो परिवार के बुजुर्ग सदस्य यही कहते हैं, कोई बात नहीं चिंता न करो, दवा समय पर लेते रहो, आराम करो, जल्द ही ठीक हो जाओगे। ऐसी बातें केवल बीमार को झूठा दिलासा देने या उसका मन बहलाने के लिए नहीं कही जातीं, बल्कि इसके पीछे यह मनोवैज्ञानिक तथ्य छिपा होता है कि अच्छा और पॉजिटिव सोचने पर सब कुछ अच्छा ही होता है। दरअसल, ब्रेन ही हमारी सभी शारीरिक-मानसिक क्रियाओं को नियंत्रित करता है, इसलिए जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमें अच्छा महसूस भी होता है। फिर हमारी सारी गतिविधियां भी पॉजिटिव दिशा की ओर अपने आप बढ़ने लगती हैं।

शोध से हो चुका प्रमाणित

वर्षों पहले वैज्ञानिक अध्ययन से भी इस तथ्य की पुष्टि हो चुकी है कि पॉजिटिव सोचने वाले अधिक हेल्दी रहते हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक वाल्टर पी. कैनेडी ने 1961 में सबसे पहले नोसेबो इफेक्ट शब्द का प्रयोग किया था। इस टर्म की उत्पत्ति लैटिन शब्द 'नोसेरे' से हुई थी, जिसका अर्थ होता है-नुकसान पहुंचाना। उपचार के दौरान बीमार व्यक्ति के मनोदशा पर उसके सकारात्मक विचारों का क्या असर होता है, यह जानने के लिए वैज्ञानिकों ने जब उन पर अध्ययन किया तो उन्हें पता चला कि अच्छे परिणाम के बारे में सोचकर दवाओं का सेवन करने वाले लोगों की हेल्थ में तेजी से सुधार होता है। इस प्रभाव का नाम प्लेसिबो इफेक्ट दिया गया, जिसका अर्थ होता है, मैं शीघ्र स्वस्थ हो जाऊंगा। इसी अध्ययन के अपोजिट इफेक्ट को समझने के दौरान नोसेबो इफेक्ट का प्रभाव सामने आया। इन दोनों ही तरह के अध्ययनों में कई रोचक परिणाम सामने आए। जैसे मामूली सिरदर्द होने पर वैज्ञानिकों ने लोगों को दर्द निवारक रहित टॉफी जैसी कोई सादी गोली दी, जिसे लेने के बाद लोगों ने कहा कि उन्हें आराम महसूस हो रहा है, जबकि वास्तव में उन्हें कोई दवा दी ही नहीं गई थी। इसी तरह कोविड काल के दौरान प्रयोग के तौर पर कुछ लोगों को यह बताकर विटामिन के कुछ ऐसे हल्के इंजेक्शन दिए गए कि उन्हें कोविड से बचाव का वैक्सीन लगाया जा रहा है। चूंकि लोगों को पहले से इसके साइड इफेक्ट के बारे में मालूम था, इसलिए उन्हें सिरदर्द, नॉजिया और बुखार का भ्रम होने लगा। जबकि वास्तव में उन्हें कोई वैक्सीन नहीं लगाया गया था। टीके के असर के बारे में नकारात्मक बातें सोचने के कारण लोगों को ऐसी तकलीफ महसूस हो रही थी।

नेगेटिव सोच का इफेक्ट

जो लोग अपनी हेल्थ के प्रति जरूरत से ज्यादा सचेत होते हैं, उनमें भी नोसेबो इफेक्ट के लक्षण नजर आते हैं। अब तक किए गए अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जब कोई व्यक्ति लगातार यही सोचे कि मुझे दर्द हो रहा है, मुझे अमुक बीमारी है तो कुछ समय के बाद वाकई उसे दर्द होने लगता है। हालांकि वास्तव में वह शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ होता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक कारणों से उसके शरीर में बीमारियों जैसे लक्षण भी प्रकट होने लगते हैं।

इंटरनेट नॉलेज भी है वजह

आजकल किसी भी स्वास्थ्य समस्या का नाम सुनते ही लोग सबसे पहले इंटरनेट पर उसके बारे में सर्च करना शुरू कर देते हैं। उसके लक्षणों से अपना मिलान करने लगते हैं। सच्चाई यह है कि इंटरनेट पर मौजूद हर जानकारी पूरी तरह सही नहीं होती है। कई बार किसी स्वास्थ्य समस्या का विवरण कुछ इस तरह दिया जाता है कि उस जानकारी से लोग भयभीत हो जाते हैं और बीमार न होने पर भी खुद को गंभीर रोग का मरीज समझने लगते हैं।

गैजेट्स के ओवरयूज से बचें

खुद को बीमार मानने की सोच से उबरने के लिए 24 घंटे स्मार्ट वॉच जैसे गैजेट्स से दूर रहना भी जरूरी है। अनेक हेल्थ एप्स का इस्तेमाल करने वाले लोग हमेशा इसी चिंता से त्रस्त रहते हैं कि आज दस हजार कदम चलने का मेरा टारगेट पूरा नहीं हुआ, कल रात मैं आठ घंटे की नींद नहीं ले पाया, मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ रहा है, नाड़ी तेज गति से चल रही है। इस तरह से कई बार गैजेट्स और हेल्थ एप्स भी लोगों को हेल्थ एंग्जायटी का मरीज बना देते हैं, इनकी वजह से स्वस्थ व्यक्ति भी स्वयं को थका हुआ और बीमार महसूस करने लगता है। बीमार होने की सोच वाली समस्या से बचाव के लिए गैजेट्स का सीमित इस्तेमाल करें और इंटरनेट पर मौजूद हर जानकारी पर भरोसा ना करें। अपनी हेल्थ के बारे में हमेशा अच्छा और पॉजिटिव सोचें तो हेल्दी, एक्टिव और एनर्जेटिक रहेंगे।

ऐसे करें बचाव

बीमार होने की नेगेटिव सोच से बचने के लिए थॉट रिप्लेसमेंट का तरीका अपनाएं। जब भी आपके मन में सेहत के प्रति कोई नकारात्मक विचार आए तो सचेत तरीके से उसी वक्त उन बातों से अपना ध्यान हटाकर अच्छी बातें सोचना शुरू कर दें कि मैं शीघ्र स्वस्थ हो जाऊंगा। मैं लगातार ठीक हो रहा हूं। तार्किक ढंग से सोचें और अपने जीवन की वास्तविकता को पहचानें। जब हेल्थ को लेकर मन में कोई डर या चिंता महसूस हो तो इस बात पर विचार करें कि हर बीमारी उपचार संभव है तो फिर परेशान नहीं होना चाहिए। इसके अलावा नकारात्मक बातों से ध्यान हटाने के लिए मनपसंद संगीत सुनें, प्रेरक किताबें पढ़ें या अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें। ध्यान और योग को नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें। *

(मनोवैज्ञानिक सलाहकार विचित्रा दर्गन आनंद से बातचीत पर आधारित)

आहार/ राजकुमार 'दिनकर'

गर्मी में पाचन सही रखे छाछ

सदियों से हमारे देश के ग्रामीण इलाकों के खान-पान का सबसे अहम हिस्सा दूध, दही और छाछ रहे हैं। लेकिन हाल के वर्षों में मई-जून के महीने में, जिस तरह की आग बरसाती गरमी पड़ने लगी है, उससे दही और छाछ की खपत शहरों में भी काफी बढ़ जाती है। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि छाछ इन तपते दिनों में दिल से लेकर दिमाग तक को तृप्त कर देता है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाई: इस वर्ष भी अप्रैल के बाद से ही पूरे देश में बहुत तेजी से छाछ या मट्ठा की मांग बढ़ गई है। इसका कारण है तेज गरमी। छाछ के स्वाद और स्वास्थ्य को इससे होने वाले लाभ के कारण आज अनेक दुग्ध-उत्पादक कंपनियां पैकेटबंद अलग-अलग स्वाद की छाछ बाजार में बेच रही हैं। इन्हें खरीदकर पीने वाले ग्राहकों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। दरअसल, दही से बनने वाली छाछ में कई स्वास्थ्यवर्धक गुण मौजूद होते हैं।

कई तरह से लाभकारी: छाछ में मौजूद जीवाणु, आंतों में क्रियाशील हानिकारक कीटाणुओं को समाप्त कर देता है। यह हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। गर्मी के दिनों में तो यह एक औषधि जैसा काम करता है। आयुर्वेद में बताया गया है कि गर्मी के दौरान दोपहर के भोजन के अंत में छाछ पीना, स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता है।

पाचन करे सही: दूध और दही दोनों की अपेक्षा छाछ हल्का और सुपाच्य होता है। गर्मी के मौसम में अगर इसे रोज पिया जाए तो यह शरीर में आलस्य पैदा नहीं करता और इससे पेट में भारीपन भी महसूस नहीं होता है। कमजोर पाचनशक्ति वालों के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी होता है। यह भोजन को जल्दी पचाने में भी सहायक होता है। इससे कब्ज और दस्त दोनो ही समस्याएं सही हो जाती हैं।

कई रोगों से बचाए: हृदय रोगियों के लिए छाछ विशेषतौर पर लाभदायक होता है, क्योंकि इसमें दूध की तुलना में चिकनाई कम होती है। इसके अलावा ब्लड प्रेशर, दमा, गठिया आदि बीमारियां मट्ठे के सेवन से पास नहीं फटकती हैं।

रखें ध्यान: छाछ का सेवन जहां तक हो सके, सुबह नाश्ते के समय और दोपहर के भोजन में ही करना चाहिए। छाछ हमेशा ताजा ही पीना चाहिए। इसे मिट्टी या कांच के बर्तन में पीना अधिक फायदेमंद होता है।

- बुखार आने पर, सर्दी के मौसम में या जुकाम होने की वजह से अगर कफ बन रहा हो तो इसका सेवन नहीं करना चाहिए।
- बारिश के मौसम में भी इसे नहीं पीना चाहिए या बहुत कम मात्रा में पीना चाहिए।
- बहुत ज्यादा खट्टा छाछ पीना भी शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। *

हर्बल जोन

रेखा देशराज

भृंगराज एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जिसका कई तरह की शारीरिक समस्याओं में उपयोग किया जा सकता है। शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने और बालों को हेल्दी रखने के साथ ही गर्मी में यह विशेष रूप से उपयोगी होता है। इसके गुणों के बारे में जानिए।

कई समस्याओं में कारगर भृंगराज

भृंगराज का पौधा, इंसान को ज्ञात सबसे पुरानी और उपयोगी जड़ी-बूटियों में से एक है। आयुर्वेद में इसके अनेक उपयोग दर्ज हैं। सबसे ज्यादा तो यह जड़-बूटी ठंडे भृंगराज तेल के लिए जानी जाती है,जो सिरदर्द भगाने में रामबाण की तरह होता है। भृंगराज उन गिनी-चुनी हर्बल में से भी एक है, जिसका हर हिस्सा औषधीय दृष्टि से उपयोगी होता है। इसके इस्तेमाल से लिवर और आंतों के स्वास्थ्य में जबरदस्त सुधार होता है।

कई नामों से लोकप्रिय: भृंगराज को वनस्पतिशास्त्र में एक्लिप्टा अल्बा कहते हैं। इसके अन्य नामों में भांगड़ा, थिसल्स, माका, अंगारक, बंगरा, केसुती, बाबरी आदि हैं। इसे अलग अलग क्षेत्रों की बोली भाषाओं में अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है। इसमें तीखी गंध होती है और ये उस जगह बारिश के दिनों में अपने आप उग आता है, जहां नमी होती है।

गर्मी में विशेष लाभकारी: भृंगराज की तासीर ठंडी होती है, इसलिए अगर गर्मी के मौसम में पेट संबंधी कोई भी समस्या मसलन अपच, गैस बनना और कब्ज से पीड़ित हों तो बहुत आसानी से इसके इस्तेमाल से इन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक अगर गर्मियों में भृंगराज का तीन महीने तक शर्बत पीया जाए, तो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

बालों के लिए वरदान: भृंगराज पौधे की पत्तियों में विशेष गुण होते हैं। जिन लोगों के सिर के बाल झड़ रहे हों, वो लोग अगर भृंगराज के पौधे की हरी पत्तियों को पीसकर अपने सिर में लगा लें तो बाल झड़ने तुरंत बंद हो जाते हैं। झड़ते बालों को रोकने ही नहीं बल्कि उन्हें काला करने के बारे में भी इसको ख्याति हासिल है।

होते हैं कई गुण: भृंगराज में अनेक प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जैसे- फ्लेवोनॉयड और एल्कलॉइड। ये एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने का काम करते हैं और विभिन्न प्रकार के हानिकारक चीजों से लिवर की रक्षा करते हैं। लिवर की रक्षा के लिए भृंगराज बहुत उपयोगी माना जाता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो लिवर को हैपेटाइटिस सी जैसे वायरल संक्रमण से बचाता है। भृंगराज शरीर में होने वाली सूजन को असरदार ढंग से रोकता है और इसके अंदर जो पोषक तत्व होते हैं, उन्हीं से बालों की गुणवत्ता और उनकी लंबाई में इजाफा होता है। त्वचा के कटने, छीलने या घाव आदि हो जाने पर भी यह असरदार तरीके से काम करता है। यह कफ और वात विकार को भी कम करता है। लिवर के साथ किडनी के स्वास्थ्य के लिए भी यह बेहद उपयोगी है। फैटी लिवर और पीलिया जैसी समस्याओं में यह बेहद असरकारी होता है। त्वचा के संक्रमण से भी यह बचाता है।

एक्सपर्ट की राय से करें यूज: इसकी पत्तियों का पेस्ट बनाकर और उसमें तेल मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। या फिर बाजार से मिलने वाले भृंगराज हर्बल के विभिन्न प्रोडक्ट्स जैसे कैप्सूल आदि का सेवन किया जा सकता है। भृंगराज का उपयोग हमेशा किसी आयुर्वेद एक्सपर्ट की सलाह और देख-रेख में ही करना चाहिए, वरना नुकसान भी हो सकता है। *

डिजीज

डॉ. मॉजिद अलीम

ब्रेन ट्यूमर की समस्या किसी भी उम्र में और किसी को भी हो सकती है। ऐसे में इससे बचाव का एक ही तरीका है कि समय रहते इसे डायग्नोज कर ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए। इसके लिए लोगों में अवेयरनेस होना जरूरी है।

ब्रेन ट्यूमर सजगता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है

विशेषज्ञों के मुताबिक़ ब्रेन ट्यूमर के चार स्टेज होते हैं और अगर तीसरे स्टेज के शुरुआत में भी इसका पता चल जाए तो बीमार व्यक्ति को बचाया जा सकता है। इस बात से यह महत्वपूर्ण तथ्य निकलता है कि अगर हम समय रहते ब्रेन ट्यूमर की पहचान कर लें, तो इस घातक बीमारी से हर हाल में बचा जा सकता है।

किसी को भी हो सकता है: हर साल दुनिया में ब्रेन ट्यूमर के 300000 से ज्यादा मामले सामने आते हैं। यह समझना भी जरूरी है कि कोई भी इसकी गिरफ्त में आ सकता है। एक जमाने में माना जाता था कि 20 साल की उम्र तक के लोगों को ब्रेन ट्यूमर की समस्या नहीं होती, लेकिन बदले खान-पान, प्रदूषण में हुए भारी इजाफे और अन्य कारणों के चलते आज 21 से 85 साल की उम्र समूह के किसी भी शख्स को इसकी समस्या हो सकती है। 40 साल से ज्यादा की उम्र वालों में इसकी आशंका इससे कम उम्र के लोगों के मुकाबले 20-21 फीसदी बढ़ जाती है।

क्या है ब्रेन ट्यूमर: वास्तव में जब मस्तिष्क में या इसके आस-पास की कोशिकाओं के डीएनए में खामी आ जाती है या वो बदल जाते हैं तो ये ब्रेन कैंसर के खतरे को जन्म देते हैं। दरअसल, डीएनए परिवर्तन के चलते जब ट्यूमर कुछ खास रसायनों के संपर्क में आता है तो इनका प्रभाव बहुत घातक हो जाता है। सवाल है, आखिर किसी को ब्रेन ट्यूमर किन वजहों से होता है और किन वजहों से इसमें लगातार तेजी आती जा रही है? सच्चाई यही है कि ब्रेन ट्यूमर की एक बड़ी वजह धरती में नियमित रूप से प्रदूषण का बढ़ना है। दरअसल निकिल, कैडमियम, विनाइल क्लोराइड, रेडान, बेंजीन ऐसे रसायन हैं कि अगर इन रसायनों के लगातार संपर्क में रहा जाए तो ब्रेन ट्यूमर की आशंका बढ़ जाती है। धूम्रपान भी इसकी दूसरी एक बड़ी वजह है। सिर में चोट लगने पर अगर सही से उसका इलाज न करवाया जाए तो एक स्थिति के बाद यह चोट भी मस्तिष्क ट्यूमर की वजह भी बन सकती है। लगातार तनाव में रहना, नींद न आना, बार बार चोट लगना इससे भी ब्रेन ट्यूमर की आशंका बढ़ जाती है।

पहचानें शुरुआती लक्षण: ब्रेन ट्यूमर को समय रहते पकड़ना मुश्किल नहीं है बशर्ते हम सजग हों। जब सुबह के समय सिर में तेज दर्द हो और इसी दर्द की वजह से कई बार रात को जागना भी पड़े तो यह सामान्य सिरदर्द नहीं। ऐसे में तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट को दिखाना चाहिए कि कहीं यह ब्रेन ट्यूमर की निशानी तो नहीं। रात में और सुबह तेज सिरदर्द के अलावा ब्रेन ट्यूमर के जो अन्य महत्वपूर्ण लक्षण हैं उनमें-बोलने और सोचने में कठिनाई का महसूस होना, आंखों में धुंधला दिखना, अचानक सुनने की क्षमता में कमी हो जाना, चेहरे का सुन्न हो जाना, थूक को निगलने में कठिनाई होना, किसी चीज में मन न लगना, विभिन्न तरह की गंधों का पता न लगना यानी उनका एहसास न होना। ये सब ब्रेन ट्यूमर के लक्षण हो सकते हैं।

संभव है ट्रीटमेंट: ब्रेन ट्यूमर लाइलाइज नहीं है। लेकिन अगर समय रहते इस बीमारी को पकड़ने में आप चूक गए तो यह लाइलाज हो सकता है। इसलिए सबसे जरूरी यही है कि आप इसे लेकर सजग रहें। अगर आप के माता-पिता ब्रेन ट्यूमर के सर्वाइवर रहे हैं तो आपको और भी ज्यादा सावधान रहना चाहिए क्योंकि आपके इसकी चपेट में आने की आशंका और ज्यादा है। *

आमंत्रित हैं लेख...

स्वयं डॉक्टर्स या लेखक, स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से बातचीत पर आधारित लेख हमें इस पृष्ठ में प्रकाशनार्थ भेज सकते हैं। लेख इस पते पर भेजें

हरिभूमि- संपादक-सेहत

129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035

या मेल करें- sehatharibhoomi@gmail.com

खबर संक्षेप

गोहाना। ग्रामीणों में लड्डू बांटते हुए नंबरदार सुरेंद्र जवाहरा व रोड़ समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

हिम्मत को एचएसएससी का चेयरमैन बनाने पर जताई खुशी

गोहाना। कैथल से एडवोकेट हिम्मत सिंह को एचएसएससी का चेयरमैन बनाने पर रोड़ समाज में खुशी की लहर है। इस खुशी में रोड़ समाज के लोगों ने गांव जवाहरा में भाजपा जिला सचिव नंबरदार सुरेंद्र सिंह जवाहरा के नेतृत्व में लड्डू बांटकर खुशी मनाई। समाज ने इस नियुक्ति को लेकर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष आभार व्यक्त किया। जिला सचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि हिम्मत सिंह अतिरिक्त महाधिवक्ता हैं। सरकार द्वारा उनको एचएसएससी का चेयरमैन बनाने पर रोड़ समाज को सरकार में बड़ा प्रतिनिधित्व मिला है।

हमला करने की वारदात में शामिल आरोपित काबू

सोनीपत। मोहाना थाना पुलिस ने लाठी-डंडों व गंडासी से हमला करने की वारदात में शामिल आरोपित का पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित रविंद्र निवासी जुआं का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने वारदात में शामिल पांच आरोपितों को पहले गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव जुआं निवासी सुमेर ने गत 20 मई को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह खेत से अपने घर आकर गली में मोटरसाइकिल खड़ी कर रहा था। 12 बजे हमलावर उसके पास बिट्टे व गंडासी से मुझे चोटे मारकर घायल कर दिया।

दुकानों के आगे अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए

गन्नौर। बिना बरसात के ही रेलवे रोड पर जगह- जगह भरने वाले नालों के गंदे पानी से निजात दिलाने के लिए निगम आयुक्त विश्राम कुमार मीणा ने नगरपालिका के चेयरमैन अरूण त्यागी व नपा व जनस्वास्थय विभाग के अधिकारियों के साथ रेलवे रोड का निरीक्षण किया। नगरपालिका चेयरमैन अरूण त्यागी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान आयुक्त व अन्य अधिकारियों ने माना की शहर के रेलवे रोड पर दुकानदारों द्वारा गंदे पानी की निकासी के लिए बनाए गए नालों को स्लैब से ढका गया है। जिस कारण नालों की सफाई हुए लंबा समय बीत गया है, स्लैब न हटने से अच्छे तरीके से नालों की सफाई नही हो पाती।

पुरानी रंजिश के चलते दो लोगों पर किया हमला

रोहतक। गांव चिड़ी में पुरानी रंजिश के चलते दो लोगों पर तेज धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसमें वह दोनों घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लोकेश ने लाखन माजरा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शादीशुदा है। करीब एक वर्ष पहले चाचा जगमेंद्र की मेरे ताऊ रमेश के साथ कहासुनी हुई थी।
इस तरह रमेश व उसके लड़के नितिन व जतिन रंजीश रखे हुए हैं।

सीआईए टू की त्वरित कार्रवाई, गाड़ी भी बरामद की

बहादुरगढ़ से स्कार्पियो छीन भाग रहे लुटेरों को लड़सौली में दबोचा

टोल व पीछा कर रही सीआईए टीम से बचने के लिए भिगान से लड़सौली पहुंचे थे लूटेरे

साइरन बजाती विभिन्न गाड़ियां व पुलिस के जवान गांव व खेत में लुटेरों के पीछे भागते नजर आए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। लूटेरो द्वारा छीनी पकड़ी काले रंग की स्कारपियों।

लड़सौली गांव में दोपहर बाद उस समय सनसनी फैल गई जब गांव में पुलिस के साइरन बजती विभिन्न गाड़ियां व पुलिस के जवान गांव व खेत में लुटेर के पीछे भागते नजर आए। इस दौरान ग्रामीणों ने आशंका जताई की कोई बड़ा मामला है। जिस तरह से गांव में सीआईए व पुलिस की अन्य टीम नजर आ रही है। गांव में जी टी रोड के फ्लाई ओवर के पास राजपुर गांव की तरफ जाने वाली सड़क व उसके साथ लगते खेतों की तरफ जाने वाले रास्ते पर पुलिस ही पुलिस नजर आई। गांव के पास जब लुटेरों को गाड़ी को रास्ता नही मिला तो अचानक काले रंग की स्कार्पियों गाड़ी से उतरकर दो युवक भागने लगे तो सोनीपत की सीाआईए टू की टीम ने इंस्पेक्टर अजय धनखड़ के नेतृत्व में टीम ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। लुटेरों के पकड़े जाने के बाद पुलिस से ग्रामीणों को पता चला कि बुधवार को करीब 11 बजे बहादुरगढ़ ओमेक्स सिटी से ब्लैक स्कार्पियों को लूट कर भागे थे। लड़सौली गांव में पीछा कर रही पुलिस टीम से बचने के लिए लुटेरों ने भागने का प्रयास किया तो उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर बाद सोनीपत में कन्ट्रोल रूम से सूचना मिली को बहादुरगढ़ की ओमेक्स सिटी से लूटी गई काले रंग की स्कार्पियों सोनीपत में प्रवेश करने के बाद मुरथल से जी टी रोड की तरफ जा रही है तो सीआईए टू की टीम प्रभारी अजय धनखड़ के नेतृत्व में तुरन्त कार्रवाई करते हुए लूटेरों को पकड़ने का अभियान चलाया तो लुटेरे मुरथल से गाड़ी लेकर गन्नौर की तरफ भागने लगे। पुलिस द्वारा पीछा करते देख लुटेरे गाड़ी को लेकर भिगान गांव से होते हुए राजपुर गांव से होकर लड़सौली से जी टी रोड़ पर चढ़ने की फिराक में थे। लड़सौली गांव के पास आते ही जब तेज गति से गाड़ी चलाने का मौका नही मिला और सीआईए की टीम बिल्कुल नजदीक आ गई तो एक लुटेरा गांव के अन्दर गलियों में भाग और दूसरा गांव के खेतों में, सीआईटीम ने कार्रवाई करते हुए दोनो का धर दबोचा। इसी दौरान आसपास के पुलिस स्टेशन से भी पुलिस पहुंच गई।

बहालगढ़ व बढ़खालसा गांव के थे दोनो लुटेरे

मामले को लेकर सीआईए 2 के प्रभारी इंस्पेक्टर अजय धनखड़ ने बताया कि कन्ट्रोल रूम से सूचना के बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए लुटेरो का पीछा किया। टीम के साथ उन्हें लड़सौली गांव से गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया है। गाड़ी लूटकर पकड़े गए आरोपित की पहचान बहालगढ़ गांव के रोहित व बढ़खालसा गांव के त्रिशतिक के रूप में हुई।

अभिषेक बरोणा की थी काले रंग की स्कार्पियो

मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दोनो लुटेरों ने ओमेक्स सिटी में अभिषेक बरोणा से छीनी थी। अभिषेक उस समय अपने मकान पर जा रहा था। वह बहादुरगढ़ में रहकर अपना व्यवसाय कर रहा है। गाड़ी छीनने की सूचना उसने पुलिस को तुरन्त दे दी थी।

समाधान शिविरः एसडीएम ने सुनीं आमजन की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

जनता की समस्याओं का निवारण करने के लिए समाधान शिविर के दौरान एसडीएम विवेक आर्य ने अपने कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनी और उनको दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। समाधान शिविर में लोगों से मिली 11 शिकायतों में से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। समाधान शिविर में लोग मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, पेंशन और बीपीएल कार्ड से संबंधित समस्याएं लेकर पहुंचे। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में जो भी शिकायतं आएं उनका प्राथमिकता से निवारण किया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई सहन नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय सीमा में पहुंचना सुनिश्चित करें ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न आए। विवेक आर्य के अनुसार लोगों की समस्याएं सुनने के लिए उपमंडल स्तर पर कमेटी गठित की गई है। कमेटी में सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी, नगर परिषद के ईओ, बिजली निगम के एक्सईएन, सिंचाई विभाग के एक्सईएन, पंचायती राज विभाग के एसडीओ, पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व बीडीपीओ शामिल हैं। ये अधिकारी मौके पर ही प्रार्थी की समस्या का समाधान करेंगे। समाधान शिविर हर रोज कार्य दिवस के दौरान सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

सोनीपत। शिविर के दौरान योगा करते हुए।

योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

सोनीपत। दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 10 तारीख से लेकर 12 तारीख तक शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़कर-चढ़कर हिस्सा लिया। डा. अंजू सांगवान ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसके लिए ब्लॉक स्तर पर योगा ट्रेनर के द्वारा योग का अभ्यास करवाया गया। लगातार तीन दिन योग प्रोटोकॉल के चलते सभी नियमों से अवगत करवाया गया द्व वही योगा ट्रेनर ने कहा कि दिन की शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति को योग से करनी चाहिए। योग हमारे जीवन में एक सजीवन बूटी की तरह है । तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण के सीवर में विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस एनसीसी, एनएसएस ,पंचायत योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए जिला आयुर्वेदिक विभाग का पूर्ण सहयोग रहा। डा. अंजू सागवान, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डा. तेजेंद्र खोखर, होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी प्रदीप, बिमला, कोमल ,पिंकी आदि मौजूद रहे।

स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी

गोहाना। खानपुर कलां गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विवि के फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। कॉमर्स विभागाध्यक्ष डॉ भावना शर्मा ने बताया कि विभाग में 12वीं कक्षा उतीर्ण छात्राओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के तहत बीकॉम (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) इंटर डिसिप्लिनरी की 60 सीटें उपलब्ध हैं। वहीं पीजी पाठ्यक्रम एमकॉम में 60 सीटें उपलब्ध हैं। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 27 जून है। प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के तहत मैनेजमेंट विभाग में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) इंटर डिसिप्लिनरी पाठ्यक्रम में 60 सीटें उपलब्ध हैं। पीजी पाठ्यक्रमों-एमबीए में 60 सीटें तथा एमबीए (लेटरल एंट्री) में 30 सीटें उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले की इच्छुक छात्राएं 27 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।

राई की सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार ने दी 25.68 करोड़ रुपये की मंजूरी : विधायक

■ लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी

राई। राई से विधायक मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि राई विधानसभा के लोगों के लिए बहुत ही खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने विधानसभा की सड़कों के सुदृढीकरण के लिए 25 करोड़ 68 लाख की मंजूरी प्रदान की है। बताया कि राशि से हलके की 25 सड़कों का सुदृढीकरण किया जाएगा, ताकि लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। विधायक ने बताया कि इन 25 सड़कों में बसौदी से बड़ौली रोड़ पर 15.25 लाख, मनौली से खुर्मपुर रोड़ पर 69.27 लाख, मनौली से बैरा बाकीपुर सडक़ पर 74.05 लाख, जाटी कलां से दहीसरा रोड़ पर 89.26 लाख, जठेड़ी से प्रीत्तमपुरा सड़क पर एक करोड़ आठ लाख 83 हजार, नाहरी से मल्हा माजरा सड़क पर एक करोड़ 77 लाख 86 हजार, खेड़ी मनाजात से मुनीरपुर सड़क पर 36 लाख 92 हजार, छत्तेहरा से रेलवे स्टेशन सडक़ पर 19.96 लाख, छतेहरा में एक और सडक़ पर 24.79 लाख, गांव जाजल अप्रोच रोड़ पर 41.34 लाख, ओल्ड बसौदी से मुकीमपुर सडक़ पर 50.41 लाख, किशोरा से चौहान जोशी सडक़ पर एक करोड़ 24 लाख 09 हजार, मेहंदीपुर से यमुना घाट तक की सडक़ पर एक करोड़ 94 लाख 39 हजार, जाजल टोंकी से जाजल सडक़ पर एक करोड़ 12 लाख 41 हजार रुपए, मुरथल से मेहंदीपुर सडक़ पर 22.21 लाख, जीटी रोड़ से मुरथल कॉलेज वाया ओशो धारा आश्रम सडक़ पर 17.5 लाख, जीटी रोड़ से मुरथल वाया हसनपुर सडक़ पर 95.68 लाख, धतूरी से मुरथल सडक़ पर 92.82 लाख, नाहरी से मुनीरपुर सडक़ पर 74.04 लाख, टांडा से पबसेरा सडक़ पर एक करोड़ पांच लाख 65 हजार, जाटी कलां से खटकड़ सडक़ पर 64.48 लाख, सेवली से असावरपुर सडक़ पर 70.33 लाख, खुर्मपुर से मनौली टोंकी सडक़ पर 68.33 लाख, जीटी रोड़ से मीमारपुर यमुना घाट वाया मुरथल सडक़ पर 07 करोड़ 94 लाख 58 हजार टांडा अप्रोच रोड़ पर 18.67 लाख रुपए खर्च कर उसका सुदृढीकरण किया जाएगा।

दूषित पानी की निकासी न होने से लोग परेशान

स्थानीय लोगों ने नगरपालिका के खिलाफ जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। गढ़ी केसरी कंठी माता मंदिर के पास भरे दूषित पानी से नाराज लोग रोष प्रकट करते हुए।

नगरपालिका की अनदेखी के चलते गढ़ी केसरी में कंठी माता मंदिर के पास सड़क पर फिर से नाले का दूषित पानी का जमाव हो गया है। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ-साथ राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने नगरपालिका के खिलाफ विरोध करते हुए एसडीएम से गंदे पानी की निकासी का स्थाई समाधान करवाने की मांग की है। स्थानीय निवासी प्रदीप कौशिक, चंद्रभान कौशिक, भगवत दयाल कौशिक, मुकेश शर्मा, संदीप, रमेश आदि ने बताया कि कंठी माता मंदिर के पास नाले का दूषित पानी सड़क पर भर जाता है। नगरपालिका द्वारा नाले की दीवार भी पक्की करवा दी, लेकिन फिर भी पानी ओवरफ्लो हो जाता है। उन्होंने बताया कि नाले की सफाई उचित ढंग से न होने की वजह से यह समस्या बार-बार हो रही है। उन्होंने बताया कि इस बारे में वे कई बार नगरपालिका से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नही रहा। दूषित पानी के जमाव से वहां रहना भी दुर्भर हो गया है। साथ लगते घरों के लोग बीमार रहने लगे हैं। उन्होंने बताया कि कंठी माता पार्क में गढ़ी केसरी के लोग के समारोह का आयोजन करते हैं। ऐसे में समारोह में आने वाले लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने एसडीएम से नालो की सफाई करने की गुहार लगाई है।

पार्षद खुद करवाएंगे निकासी का समाधान

गढ़ी केसरी वार्ड पार्षद अंकित त्यागी ने बताया कि पानी निकासी के लिए बने नाले में हर बार यही समस्या पैदा होती है। नगरपालिका द्वारा इसका समाधान नहीं करवाया गया तो निकासी के लिए पाइप दबा कर उसे जोहड़ में छोड़ दिया गया था, जिससे इस समस्या का हल हो गया था। अब किसी शरारती तत्व ने उस पाइप में कुछ फंसा कर उसकी निकासी को रोक दिया। इसे अपने स्तर पर ही फिर से साफ करवाएंगे, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

सोनीपत। योग शिविर में हिस्सा लेती सीटीएम साथ में अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी।

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण प्रोटोकॉल शिविर संपन्न

सोनीपत। हैबीटेट क्लब में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण प्रोटोकॉल शिविर का बुधवार को समापन किया गया। इस दौरान शिक्षा विभाग और खेल विभाग के सरकारी एवं प्राईवेट स्कूलों के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, पीटीआई व डीपीआई, पतंजलि योग समिति, लक्ष्य स्वस्थ सोनीपत एवं योग भारती संस्था के सदस्यों ने योग प्रशिक्षण में भाग लिया और आयुष विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं जिला सोनीपत के सभी ब्लॉकों के योग सहायकों व इच्छुक जनसाधारण ने भी योगाभ्यास किया। तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण प्रोटोकॉल शिविर के समापन अवसर पर नगराधीश एवं योग दिवस कार्यक्रम की नोडल अधिकारी पूजा कुमारी ने योग क्रियाएं करते हुए कहा कि योग का महत्व बताया। इस दौरान सोनीपत व जिला के सभी ब्लॉकों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 436 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नवनिर्वाचित सांसद का भव्य स्वागत

■ विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनेगी : शैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुखबीर जाटी व जगदीश चहल व अन्य कार्यकर्ता सांसद कुमारी शैलजा का स्वागत करते हुए।

सिरसा से नवनिर्वाचित सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा का नेशनल हाइवे 44 पर सुधीर ढ़ाबे पर वरिष्ठ कार्यकर्ता सुखबीर जाटी व किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जगदीश चहल आदि कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। कुमारी सैलजा ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकताअरं द्वारा किए गए स्वागत-सत्कार को वे कभी नहीं भूल पाएंगी। इतने स्नेह व अपनेपन को व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा हरियाणा के विकास के लिए प्रयत्नशील रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लोगों को लुभावने के लिए ग्रामीणों को 100-100 गज के प्लाट देने का दिखावा कर रहे है। जो प्लाट कांग्रेस सरकार के समय मे लोगों को दिए गए थे अब बीजेपी सरकार को दस साल बाद उनकी याद आई है। लेकिन प्रदेश की जनता अब इनके प्रलोभनों में नही आने वाली। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुखबीर जाटी ने कहा कि सांसद कुमारी सैलजा की कार्यशैली, तत्परता, अनुशासन व रचनात्मक सोच सभी को प्रभावित करती है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान सतबीर निर्माण, वेदपाल खापरा, पूर्व सरपंच इन्दु चहल, संदीप राणा,मास्टर सन्दीप,परवीन खत्री,मंदीप कुमार,मोनू सरोहा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खरखौदा। निशांत का स्वागत करते हुए स्कूल प्रबंधन व परिजन।

प्रताप स्कूल के छात्र रहे निशांत लेफ्टिनेंट चयनित

खरखौदा। प्रताप स्कूल खरखौदा के छात्र रहे निशांत लेफ्टिनेंट चयनित हुए हैं। उनके चयन पर स्कूल में खुशी का माहौल है। जिन्होंने सीडीएस परीक्षा में ऑल इंडिया में 76 वीं रैंक प्राप्त की है । निशांत ने प्रताप विद्यालय से 10 वीं 93.2 प्रतिशत अंकों व बारहवीं 94.4 प्रतिशत अंकों से पास की थी। विद्यालय प्रांगण में द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सुबोध दहिया, उप प्राचार्य नरेश कुमार, निशांत के पिता परमजीत व अंकल कुलदीप ने उनका स्वागत किया। उनकी उपलब्धि पर विद्यालय के साथ साथ उनके पैतृक गांव मंडौरी में भी खुशी का माहौल है। निशांत बताते हैं कि बचपन से उसका सपना सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने का रहा है। उसने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल प्रबंधन समिति, अपने शिक्षकों व परिजनों को दिया। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने बताया कि प्रताप विद्यालय के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जो देश व प्रदेश के उच्च पदों को सुशोभित कर रहे हैं।

ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में 4 स्वर्ण सहित जीते 8 पदक

■ साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन ने विजेताओं का स्कूल पहुंचने पर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विजेता साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल के खिलाड़ी मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा के साथ।

42वीं ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 गोल्ड सहित 8 पदक जीते। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विजेता खिलाड़ियों का बुधवार को स्कूल पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अपने खेल को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि 42वीं ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 6 से 10 जून तक लिटल एंजल्स स्कूल में किया गया था। जिसमें अंश वत्स ने अंडर-13 व मुस्कान ने अंडर-15 में प्रथम स्थान हासिल किया। आशी राठी ने अंडर-11, कुनाल ने अंडर-13, मुस्कान ने अंडर-17 में द्वितीय स्थान हासिल किया।

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान की 630 सीटों के लिए 892 आवेदन

आईटीआई-महाविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया जारी

■ आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की भीड़ जुटनी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में डिप्लोमा इंजीनियरिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। आवेदन प्रक्रिया के अब महज पांच दिन शेष हैं। ऐसे में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। संस्थान में आठ पाठ्यक्रमों की निर्धारित 630 सीटों पर अब तक 892 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। जिनका साथ ही सत्यापन कार्य भी चल रहा है। संस्थान प्रबंधन का कहना है कि शेष दिनों में आवेदन की संख्या में और इजाफा होगा। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में जो आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, उनके सत्यापन का काम भी चल रहा है। डिप्लोमा इंजीनियरिंग की वरियता सूची 19 जून व डिप्लोमा इंजीनियरिंग लेटरल एंट्री की वरियता सूची 21 जून को जारी की जाएगी। दाखिला शाखा प्रभारी राजीव वर्मा ने बताया कि तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि पहले 03 जून वहीं लेटरल एंट्री स्कीम में आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 मई निर्धारित की गई थी। हालांकि विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए विभाग ने तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को 17 जून और लेटरल एंट्री स्कीम के तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग के सीधे दूसरे साल में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 18 जून कर दिया था।

आवेदन प्रक्रिया तेज

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया तेजी से चल रही है। आठ पाठ्यक्रमों की 630 सीटों पर अब तक 892 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। अभी आवेदन प्रक्रिया के पांच दिन शेष हैं। उम्मीद है कि आवेदनों की संख्या में अभी और ज्यादा इजाफा होगा। *अनिल सहरावत, अपर निदेशक, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, सोनीपत*

आईटीआई में 21 तो कॉलेजों में 25 जून अंतिम तिथि

आईटीआई व कॉलेजों में भी दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आईटीआई में जहां आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून निर्धारित की है, वहीं कॉलेजों में विद्यार्थी 25 जून तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आईटीआई व कॉलेज प्रबंधन की मानें तो जैसे-जैसे आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ रही है। कॉलेजों में 15 जून के बाद आवेदन प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

इन सीटों चल रही आवेदन प्रक्रिया

पाठ्यक्रम	सीट
आई एंड सी इंजीनियरिंग	60
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	60
केमिकल इंजीनियरिंग	60
कंप्यूटर इंजीनियरिंग	90
मेकेनिकल इंजीनियरिंग	120
ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	120
अकाउंट ओडिटिंग	60
इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	60

खबर संक्षेप

व्यक्ति व उसके चाचा के साथ मारपीट

गन्नौर। बली कुतुबपुर गांव में एक व्यक्ति व उसके चाचा के साथ मारपीट कर उन्हें जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घायल ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में बली कुतुबपुर के रविंद्र ने बताया कि 10 जून की रात सो रहा था। इस दौरान तेजबीर शराब पीकर उनके घर के बाहर आ कर गाली गलौज करने लगा। इसके बाद तेजबीर की पत्नी नीता व बेटा दीपक भी वहां आए और उसके साथ मारपीट की। हमलावरों ने उसके चाचा जयदेव के सिर पर ईंट से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपित उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने रविंद्र की शिकायत पर तेजबीर, नीता व दीपक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जियो मार्ट के बाहर से एसी की इंडोर यूनिट चोरी

गन्नौर। रेलवे रोड पर नई अनाज मंडी के निकट जियो मार्ट के बाहर से एसी की इंडोर यूनिट चोरी हो गई। स्टोर मैनेजर चोरी की शिकायत थाना गन्नौर में दी। शिकायत में टेहा गांव के अमित कौशिक ने बताया कि वह रेलवे रोड पर नई अनाज मंडी के निकट जियो मार्ट में स्टोर मैनेजर के तौर पर कार्यरत है। 10 जून को उनके स्टोर के बाहर से एसी का इंडोर यूनिट चोरी हो गया। पुलिस ने अमित कौशिक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंडियन कॉलोनी में बंद घर से आभूषण चोरी

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र की इंडियन कॉलोनी में बंद घर से जेवरात व हजारों रुपये की राशि के चोरी होने का मामला सामने आया है। रिढाऊ हाल में गली नंबर-3 इंडियन कॉलोनी निवासी रानी ने बताया कि वह 11 जून को वापिस मायके से अपने घर पर आई। उसका मकान के गेट पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। सामान की जांच की तो एक सोने की चैन, अंगूठी व सोने के बाले सहित 15 हजार रुपये की राशि गायब मिली। जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

पेट्रोल पंप से सेल्समैन 84 हजार लेकर भागा

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के गांव नाहरा स्थित पेट्रोल पंप का सेल्समैन 84 हजार रुपये चोरी कर भाग गया। सेल्समैन एक सप्ताह पहले ही पेट्रोल पर नौकरी लगा था। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के जिला बुलंदशहर के गांव अर्णिया खुर्द निवासी अवधेश कुमार ने बताया कि वह गांव नाहरा स्थित आशू किसान सेवा केंद्र फिलिंग सेंटर पर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। सात दिन पहले पहले उन्होंने यूपी के जिला चित्रकूट के गांव रम्पुरिया अब्बल के रणजीत को बतौर सेल्समैन नौकरी पर रखा था। 10 जून को दोपहर करीब ढाई बजे रणजीत कुमार सेल्स के करीब 84,368 रुपये लेकर बिना किसी को कुछ बताए कहीं चला गया।

शिविर में 77 शिकायतों का किया समाधान

सोनीपत। जिला के लोगों की परिवार पहचान पत्र(पीपीपी), प्रॉपर्टी आईडी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बीपीएल कार्ड जैसी प्रमुख समस्याओं के निराकरण के लिए लगाए जा रहे समाधान शिविर में बुधवार को कुल 77 शिकायतें आई। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों ने 9 बजे से 11 बजे तक लघु सचिवालय के सभागार में लोगों की समस्याओं का समाधान किया।

शिकायतों के लिए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि इन सभी शिकायतों का निदान प्राथमिकता के साथ करें ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि मूलभूत समस्याओं को लेकर समाधान शिविर में पहुंचे। इस मौके पर नगर निगम के आयुक्त विश्राम मीणा, अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, डीसीपी नरेन्द्र, एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, नगराधीश पूजा कुमारी, डीआरओ हरिओम अत्री, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने लिया संज्ञान, सभी औद्योगिक इकाइयों की जांच करवाई जाए

फैक्टरियों में हो रही आगजनी ले रही जानें सुरक्षा प्रबंधों की जांच के लिए लिखा पत्र

सोनीपत में एक माह में तीन फैक्टरियों में आग के चलते जा चुकी है 19 जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत की अलग-अलग फैक्टरियों में लगातार आगजनी के मामले सामने आ रहे हैं। इन्हीं आगजनी के मामलों में एक माह में 19 लोग असमय काल का ग्रास बन चुके हैं। कहीं बॉयलर फटने से लोगों की जान जान रही है तो कहीं केमिकल के ड्रम लोगों की जिंदगी लील रहे है। ऐसे में आग लगने के मामलों की जांच के आदेश देने व एक-दो मामले की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उपायुक्त ने इस पर संज्ञान लिया है। जिला उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन समिति के चेयरमैन डॉ. मनोज कुमार ने इसे लेकर मुख्यालय पत्र लिखा है। उन्होंने टीम बनाकर फैक्टरियों में सुरक्षा प्रबंधों की जांच कराने और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई किए जाने को लिखा है।

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि पिछले दिनों जिला में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भीषण आग और बॉयलर के विस्फोट की घटनाएं हुई है, जिससे उद्योग परिसर के अंदर व बाहर बुनियादी ढांचे और श्रमिकों के जीवन पर प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा कि सभी उद्योग इकाइयों में कार्य करने वाले श्रमिकों के जीवन की सुरक्षा को देखते हुए चंडीगढ़ मुख्यालय में पत्र लिखा गया है। जिसमें जिला की सभी औद्योगिक इकाइयों की जांच कराने को लिखा है।

वहां जांच की जाए कि आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा-30 (4) और धारा-33 के माध्यम से ऐसे खतरों से निपटने के लिए फायर सेफ्टी व अन्य व्यवस्था की गई है या नहीं। अगर किसी औद्योगिक इकाई में जीवन सुरक्षा को लेकर अगर प्रबंध नहीं किए गए है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए।

उद्योगपति समेत 12 लोगों की जान गई

लगभग 1 माह के समय में फैक्टरियों में आगजनी के चलते 19 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे बड़ा हादसा 28 मई को राई के औद्योगिक क्षेत्र स्थित सांवरिया एक्सपोर्ट में हुआ था। जहां पर सॉल्वेंट का ड्रम फटने की वजह से आग लग गई थी। इसी दौरान कई और धमाके हुए, जिसमें कई लोग आग की चपेट में आ गए। केवल इसी हादसे में दो उद्योगपतियों समेत 12 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा सोनीपत के गांव जाहरी में 7 मई को बीयर फैक्टरी में बॉयलर फटने से श्रमिक की जान गई थी। वहीं 16 मई को प्याऊ मनियारी में कत्था फैक्टरी के अंदर बॉयलर फटा था। जिसमें 6 श्रमिकों की जान गई थी।

चेहरे पर चेहरे, चेहरे पर स्टीकर

रेत का कारोबार छोड़ चुके नेताजी कई बार अर्श से फर्श पर आए नेता को अपनी हार का जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। नाम तो लेते नहीं, लेकिन कोसते बहुत हैं। इसी कड़ी में नेताजी के कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में अर्श से फर्श पर आए नेताजी के चेहरे पर स्टीकर लगा दिया गया है। किसी खास ने बताया कि चेहरे पर चेहरा था, अब स्टीकर है, उन्हें क्या फर्क पड़ता है।

महिला नेत्री के मुर्छा गए फूल

पिछले दिनों सीएम के कार्यक्रम में सोनीपत की एक महिला नेत्री भी पहुंची थी। बरोदा से चुनाव लड़ने की इच्छुक महिला नेत्री का बुके सीएम तक नहीं जाने दिया गया। काफी देर इंतजार करने के बाद भी जब कामयाबी नहीं मिली तो बुके लेकर वापस बैठ गई। कोई कह रहा था कि मैडम के फूल भी मुर्छा गए थे।

शहीदों की श्रेणी, नयों के ऋणी

चुनावों में पार्टी विशेष के साथ लगाव रखने वाले पांच अफसरों की रिपोर्ट ऊपर भेजी जा चुकी है। धर्मशाला वाले एचसीएस, दो पटवारी, एक क्लर्क समेत ये 5 अधिकारियों में ज्यादातर शहीद होना चाहते हैं, ताकि छह माह बाद जब नए लोग आएंगें तो उन्हें अपनी शहादत की गाथा सुनाकर मलाईदार पद का आनंद उठा सकें। जबकि कुछ अन्य अधिकारी उनके मनसूबों पर पानी फेरने में जुटे हुए हैं।

रोकड़े को रोका, कराए जेब के दर्शन

सुनने में आया है कि एक रिकॉर्डधारी स्वर्गीय नेता के उत्तराधिकारी जो हर चुनाव से पहले दल बदल लेते हैं, उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिये आए रोकड़े को अपने पास ही रोक लिया। 1 बूथ के 3 हजार रुपये के हिसाब से लगभग 6 लाख रुपये आए थे, भाईसाहब ने लगभग सारी रकम को अपनी ही जेब के दर्शन करवा दिए।

जिम्मेदार नेता, बैठक और 5 की लीड

मतदान से कुछ दिन पहले की बात है। कांग्रेस के एक जिम्मेदार नेता की रेत का कारोबार छोड़ चुके नेता के साथ गुप्त बैठक हुई थी। बता रहे हैं कि बैठक का ही असर था, जिसकी वजह से लीड 5 हजार बढ़ गई। सुनने में आया है कि जिम्मेदार नेता दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहते हैं। इसी वजह से बैठक की थी।

महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना की समीक्षा की

- लाभार्थियों के प्लाटों पर हुए कब्जे को छुड़वा कर एक दिन में रिपोर्ट देने के दिए आदेश
- करीब 416 लाभार्थियों को 100-100 गज के प्लाट सौंपे जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। बैठक के दौरान निर्देश देते एसडीएम डा. निर्मल नागर।

महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना को लेकर एसडीएम डा. निर्मल नागर ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में तहसीलदार सुमन लता, नायब तहसीलदार गजे सिंह, बीडीपीओ पूनम चंदा, एसईपीओ जयभगवान उपस्थित रहे। एसडीएम ने कहा कि प्लाट आवंटन से वंचित रह गए पात्र लोगों को जल्द से जल्द प्लाट दिए जाने हैं। ऐसे में सभी औपचारकताएं पूरी करके कब्जा कागजात उपलब्ध करवाया जाना सुनिश्चित करें। गन्नौर ब्लाक में करीब 416 लाभार्थियों को 100-100 गज के प्लाट सौंपे जाने हैं। उन्होंने आदेश दिए कि जिन प्लाटों पर गैर कानूनी कब्जे में उन्हें एक दिन के भीतर छुड़वा कर उन्हें कब्जा मुक्त करवाएं, अगर कोई समस्या आती है तो उसको दूर कर दिया जाएगा। एसडीएम ने एक दिन के भीतर अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। उन्होंने तहसीलदार सुमन लता, नायब तहसीलदार गजे सिंह को निर्देश दिए कि वह लाभार्थियों के प्लाटों की रजिस्ट्री भी प्राथमिकता के आधार पर करें। उपायुक्त के आदेशानुसार तीन दिन के भीतर सभी लाभार्थियों को प्लाट सौंपे जाने ऐसे में किसी भी प्रकार की ढील के लिए कोई स्थान नहीं है।

10 दिनों में सभी ड्रेन की सफाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि बरसात सीजन में लोगों की सुरक्षा को देखते हुए बाढ़ प्रबंधन के लिए किए जा रहे कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि सभी कार्य समय पर पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को लेकर किसी प्रकार कोताही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी, इसलिए सभी अधिकारी इन कार्यों को प्राथमिकता से पूरे करवाएं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी अगले 10 दिन में जिला में स्थित ड्रेनों की सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर ने मंगलवार को देर रात वीसी के माध्यम से बाढ़ प्रबंधन कार्यो, क्षतिपूति पोर्टल, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता तथा पीपीपी से संबंधित कार्यार्ें को लेकर उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए जिलों में बाढ़ नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगर किसी कार्य को लेकर कोई परेशानी आ रही है तो अधिकारी तुरंत मुख्यालय बात करें ताकि उस समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके। इस दौरान उपायुक्त डॉ० मनोज कुमार ने प्रधान सचिव को जानकारी दी कि यमुना में ठोकरे बनाने के लिए उपयोग होने वाला पत्थर चरखी दादरी से उचित मात्रा में नहीं मिल पा रहा, जिससे कार्य में थोड़ी देरी हो रही है। इस विषय को लेकर प्रधान सचिव ने तुरंत समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक के उपरांत उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में पिछले वर्ष बरसात के कारण पानी की निकासी को लेकर परेशानी आई थी उन सभी गांवों में तुरंत उचित प्रबंध करें अगर वहां बिजली पंपों या डीजल पंपों की जरूरत है तो उसका भी प्रबंध करें। इस मौके पर नगरनिगम आयुक्त विश्राम मीणा, अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम विवेक आर्य, एसडीएम गन्नौर निर्मल नागर, एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, डीआरओ हरिओम अत्री तथा डीडीपीओ सहित सिंचाई विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोनीपत। अधिकारियों को निर्देश देते उपायुक्त।

पांच-पांच हजार रुपये के इनामी दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

क्राइम यूनिट सेक्टर-3 सोनीपत पुलिस ने बस स्टाफ पर हमला कर रुपये छीनने की वारदात में नौ माह से फरार व पांच-पांच हजार रुपये के दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित ललित निवासी बुलंदशहर व ईमरान निवासी मेरठ का है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव ललियाना मेरठ निवासी साजिद ने 24 अक्टूबर को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह प्रधान शहनावज ललियाना की बस पर चालक के तौर पर कार्यरत है। गत 24 सिंतबर 2023 को वह अपनी बस को लेकर टिकरी बार्डर पर पहुंचा। उसके बाद वह केजीपी टोल टैक्स से आगे करीब एक किलो मीटर पहुंचा। उसके पीछे से तेज रफ्तार बस आई। उसकी बस के सामने लगा दिया। गाड़ियों में से देवा निवासी बडडा ,ललित निवासी स्थाना, इमरान निवासी सरूरपुर, पकंज निवासी नोएडा ,जाहिद निवासी स्थाना ,इमरान निवासी अजराडा ,अगाज निवासी राधना के साथ अन्य आदमी जिन के नाम मे नही जानता, अपने हाथो मे लाठी डंडे लेकर आए और मेरी बस के शीशे तोड़ दिए और मुझे व परिचालक शाहआलम को भी थप्पड मुक्के मारे व गाड़ी के अन्दर घुस कर एक सवारी टिंकू को भी थप्पड मुक्के मारे और 22 सौ रुपए जेब से निकाल लिए गए।

नेक चंद सैनी रॉक गार्डन के शिल्पकार थे : रामेश्वर

- महात्मा ज्योतिबा फुले समिति द्वारा स्व. नेक चंद सैनी की 9वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह
- 1951 में जब चंडीगढ़ शहर का निर्माण प्रारंभ हुआ, तब नेक चंद सैनी सड़क निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

नेक चंद सैनी चंडीगढ़ स्थित रॉक गार्डन के शिल्पकार थे। उन्होंने एक कचरे के ढेर को विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल में तबदील कर दिया। बुधवार को यह टिप्पणी राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने की। रामेश्वर दास सैनी शहर में पानीपत रोड पर स्थित लावारिस पीड़ित गौ माता गौशाला में उस श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जिसे स्व. नेक चंद सैनी की 9वीं पुण्यतिथि पर महात्मा ज्योतिबा फुले समिति द्वारा आयोजित किया गया। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गुलाब सिंह सैनी ने की। गुलाब सिंह सैनी ने कहा कि 1951 में जब चंडीगढ़ शहर का निर्माण प्रारंभ हुआ, तब नेक चंद सैनी सडक निरीक्षक के पद पर कार्यरत थे। तब उन्होंने पीडब्ल्यूडी के टूटे सामान से जंगल की सफाई करते हुए ऐतिहासिक रॉक गार्डन का सृजन किया था। इस अवसर पर आजाद सिंह दांगी, राजबीर पांचाल, कर्ण सिंह सैनी, सुभाष सैनी, अमीर चंद सैनी, राज कुमार सैनी, मोनू सैनी आदि भी मौजूद रहे।

12 जीओएच 3 में-नेक चंद सैनी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए नागरिक।

प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है : सैलजा

सोनीपत। नवनिर्वाचित सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा दिल्ली से चल कर चंडीगढ की तरफ जाते हुए बुधवार को सोनीपत रूकी। बहालगढ़ चौक पर पहुंचीं सांसद कुमारी शैलजा का फूल मालाओं व बूके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद कुमारी शैलजा ने बताया कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है। आने वाले विधानसभा चुनाव में हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनना तय है। स्वागत करने वाले में कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव डा. सत्यवीर निर्माण, पूर्व संगठन सचिव सुखबीर जाटी, रोशन लाल शर्मा, धानक कबीर समाज के प्रधान हंसराज, कर्मबीर सरोहा, राजेराम नम्बरदार मुरथल, सुधीर खापरा, विद्यादेवी, कमलेष रानी, रमेश कादियान, राजकुमार प्रधान पीथौपुरा, सतपाल प्रधान, बलवान सिंह, प्रदीप तुषीर, मनोज कुमार, अनिल, जगदीश राठधना, भूपेन्द्र वालिया आदि शामिल रहे।

पीडब्ल्यूडी कर्मचारी 18 से देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

हरियाणा गर्वनमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कस यूनियन की जिला कमेटी की बैठक जिला मुख्यालय पब्लिक हेल्थ यूनियन कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान विष्णु दत भारद्वाज एवं संचालन जिला सचिव रामप्रसाद ने किया।

बैठक में विशेष रूप से प्रदेश प्रेस प्रवक्ता विनोद शर्मा, प्रदेश सह सचिव सतीश कुमार रंगा उपस्थित रहे। जिला प्रधान विष्णु दत भारद्वाज ने बताया कि आगामी 21 जून को केन्द्रीय कमेटी के आदेशानुसार प्रमुख अभियंता के खिलाफ सोनीपत अधीक्षक अभियंता के माध्यम से सभी परिमंडलो पर 18 जून से 3 जूलाई तक धरना प्रदर्शन किया जाएगा और कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने को लेकर मांग पत्र भेजा जाएगा। आज की बैठक में पब्लिक हेल्थ और बीएंडआर ब्रांच कार्यकारिणी से धूप सिंह लाकड़ा, सुरेंद्र सिंह, सुंदर सिंह चौहान, देवेंद्र कुमार, रणबीर सिंह, राजबीर सिंह टांक, मोहन सिंह, नरेश कुमार, मुकेश दहिया, अमित कुमार, शंभू कुमार, महेंद्र सारसर, सुरेश, रोहतास, जगदीश, इंद्रजीत, दिनेश, राजबीर, रमेश कुमार, रामेश्वर, धर्मेन्द्र, जयसिंह आदि पदाधिकारियों ने सरकार और विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

सोनीपत। एकत्रित हुए पीडब्ल्यूडी कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारियों की मांगे

पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, जब तक पक्के नहीं होते तब तक समान काम समान वेतनमान देने, खाली पड़े पदों पर पक्की भर्ती कराने बारे, सेवा नियमों को ठीक करने बारे, एलटीसी का बजट जारी करने आदि मांगों को लेकर रोष प्रदर्शन किया जाएगा।

बाल श्रम निषेध दिवस पर कानूनी जागरुकता शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वाधान में मानव अधिकार संरक्षण संघ के सहयोग से स्लम एरिया राजू पैलेस के पीछे, मालवीय नगर में बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्राधिकरण के अधिवक्ता शिव प्रशाद शर्मा रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव अधिकार संरक्षण संघ के प्रधान जयवीर गहलावत ने की। अधिवक्ता शिव प्रशाद शर्मा ने कहा कि अफ्रीका में बाल श्रम में लगे बच्चों की कुल संख्या 7.2 करोड़ है जो दुनिया में सबसे ऊपर है। वहीं, एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 6.2 करोड़ बच्चे बाल मजदूरी कर रहे हैं। बाल मजदूरी को खत्म करने के लिए बच्चों को शिक्षा दिलवाना बहुत जरूरी है।

परियोजना के तहत 8 गांवों में 25 बछड़ियों का किया गया था चयन

सेक्स सॉर्टेड सीमेन से 90 प्रतिशत बछड़ियां पैदा हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

पोषित बछड़ा बैंक परियोजना के तहत चयनित गीर, साहीवाल व हरियाणा नस्ल की बछड़ियों में सेक्स सॉर्टेड सीमेन द्वारा गभार्धान करने पर उनके द्वारा 90 प्रतिशत बछड़ियां दी गई। जबकि सामान्य सीमेन से गभार्धान की गई गांवों में 50 प्रतिशत मादा बछड़ों के पैदा होने की संभावना होती है। यह जानकारी प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर डॉ. राकेश मौर्य व प्रोजेक्ट सुपरवाइजर वितिन मलिक ने दी। डॉ. राकेश मौर्य के अनुसार एग्रीलिव रिसर्च फाउंडेशन जिसे कि पहले आयुर्वेट रिसर्च फाउंडेशन के नाम से जाना जाता था पिछले कई वर्षों से पशुपालन में नस्ल सुधार व किसानों की आर्थिक वृद्धि के लिए प्रयासरत है। इस क्रम में जिला सोनीपत के 8 गांवों में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा वित्तीय पोषित बछड़ा बैंक परियोजना के तहत 25 बछड़ियों का चयन किया गया। किसानों द्वारा इन बछड़ियों का वैज्ञानिक तरीके से पालन-पोषण किया गया। परियोजना में सम्मिलित पशुपालकों को एक से अधिक ब्यात के रूप में 35 से 40 हजार रुपये का आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ। को-ऑर्डिनेटर डॉ. राकेश मौर्य के अनुसार सामान्य तरीके से पोषित बछड़ियों में प्रथम ब्यात की उम्र 40 से 46 माह देखी जाती है। चयनित बछड़ियों में 15 से 21 माह की आयु में उनका सेक्स सॉर्टेड सीमेन अथवा लिंग वर्गीकृत वीर्य (बछड़ी पैदा होने वाली सीमेन) द्वारा कृत्रिम गभार्धान किया गया। इन सभी बछड़ियों ने 27 से 33 माह की आयु में नवजात बच्चों को जन्म दिया। ऐसे में परियोजना से जुड़े किसानों को प्रतिदिन 3 लीटर दुग्ध अधिक प्राप्त होगा। सेक्स सॉर्टेड सीमेन द्वारा गभार्धान की गई गायों द्वारा 90 प्रतिशत बछड़ियां दी गई। जबकि सामान्य सीमेन से गभार्धान की गई गांवों में 50 प्रतिशत मादा बछड़ों के पैदा होने की संभावना होती है।

गोहाना। पशुपालकों को पशुपालन में नस्ल सुधार की जानकारी देते हुए डॉ. राकेश मौर्य। फोटो : हरिभूमि